विद्याभवन ,बालिका विद्यापीठ, लक्खीसराय

रूपम कुमारी 🌴 वर्ग-दशम् 🌴 विषय-हिन्दी

दिनांक- १६/७/२०

N.C.E.R.T syllabus

🌴 अध्ययन-सामग्री 🌴

बच्चों !

आज हिंदी अंतरराष्ट्रीय भूमंडलीकरण युग की विश्व भाषा बनने की ओर अग्रसर है। इसका वर्तमान या भविष्य को उज्ज्वल है ही ,परंतु सारे विश्व में हमारी भाषाओं की मूल जड़ भी मजबूत हो चुकी हैं ।यदि हमारे युवा वैज्ञानिक अपनी मातृ भाषाओं एवं राष्ट्रभाषा हिंदी से प्रेम करने लगेऔर अपने अनुसंधान में अंग्रेजी के साथ अपनी भाषाओं के हिंदी या संस्कृत के शब्दों का प्रयोग अधिक से अधिक करने

लगे तो निश्चित ही उनके इन प्रयासों से भारतीय भाषाएं विश्व में प्रचलित हो जाएगी । ऐसा सॉफ्टवेयर तैयार किया जाए जिसमें सभी भारतीय भाषाएं हों और विद्यार्थी उसे पढ़ सके तथा उस के माध्यम से विश्व के अंतरराष्ट्रीय ज्ञान को प्राप्त कर सके। किंतु एक बात हमें नहीं भूलनी चाहिए कि अंग्रेजी का पूर्ण बहिष्कार करके विश्व के नवीनतम गतिविधियों से कट जाएंगे ।

भाषा के मामले में संतुलन जरूरी है ।

आज की कक्षा में हम औपचारिक-पत्र के अंतर्गत शिकायती एवं सार्वजनिक पत्र के प्रारूप की चर्चा करेंगे ।

अपने मुहल्ले में वर्षा के कारण उत्पन्न हुई जल-जमाव की समस्या पर ध्यान आकृष्ट कराने के लिए बाढ़-नियंत्रण अधिकारी को पत्र लिखें ।

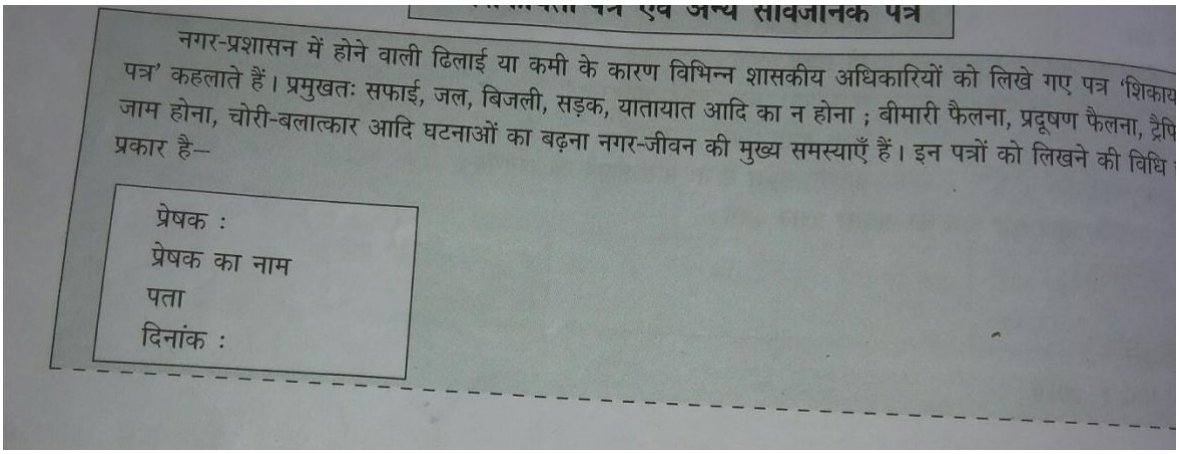

नगर-प्रशासन में होने वाली ढिलाई या कमी के कारण विभिन्न शासकीय अधिकारियों को लिखे गए पत्र 'शिकाय
पत्र' कहलाते हैं। प्रमुखतः सफाई, जल, बिजली, सड़क, यातायात आदि का न होना ; बीमारी फैलना, प्रदूषण फैलना, ट्रैफि
जाम होना, चोरी-बलात्कार आदि घटनाओं का बढ़ना नगर-जीवन की मुख्य समस्याएँ हैं। इन पत्रों को लिखने की विधि
प्रकार है–

प्रेषक :
प्रेषक का नाम
पता
दिनांक :

<u>दिए गए दोनों चित्रों को मिला कर कॉपी पर पूरा प्रारूप तैयार करने पर आप देखोगे कि एक पूरे पत्र का प्रारूप तैयार हो गया है ।</u>

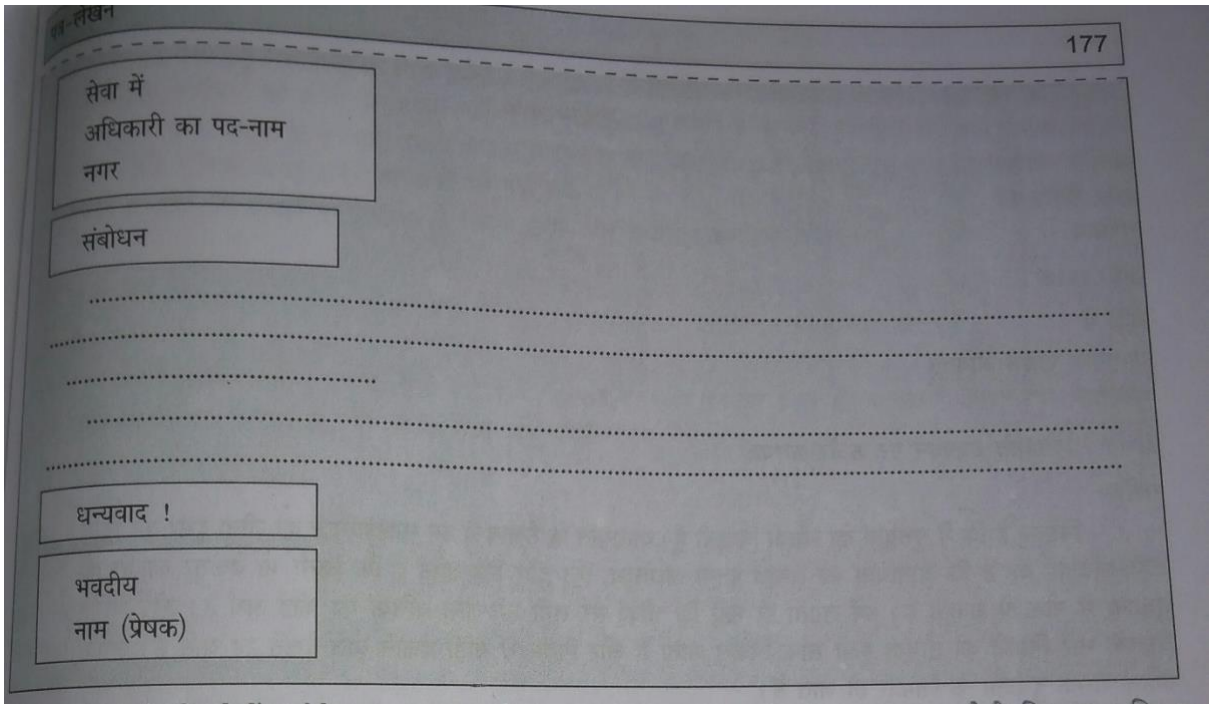

आज मैंने पूरा पत्र उदाहरण के रूप में नहीं दिया बल्कि आपको खुद ही प्रारूप के अनुसार दिए गए टॉपिक पर पत्र लिखना पड़ेगा ।